

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 18]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 8, 1993/वैशाखा 18, 1915

No. 18]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 8, 1993/VAISAKHA 18, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश  
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

MINISTRY OF DEFENCE

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1993

New Delhi, the 2nd April, 1993

का.नि.आ. 56:—दिनांक 11 अप्रैल, 1992 को  
भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार, रक्षा  
मंत्रालय के 16 मार्च, 1992 के का. नि. आ. 74  
की अधिसूचना के हिन्दी रूपान्तर में केन्द्रीय सरकार  
निम्नलिखित संशोधन करती है:—

S.R.O. 56.—In the Notification of Government of  
India in the Ministry of Defence S.R.O. No. 74, dated  
the 16th March, 1992 published in the Gazette of  
India dated the 11th April, 1992, the Central Gov-  
ernment hereby makes the following amendment in  
the Hindi version namely:—

अनुसूची के पृष्ठ 141 पर

At page 141 of Schedule

कालम	कालम	कालम	में		Col.2	Col 3	Col. 4
2	3	4					
148	1	1510	के स्थान पर	For	'148	1	1510'
148	1	15100"	पढ़ें।	Read	'148	1	15100'

[रक्षा मंत्रालय का.सं. ए एस/3762/पी सी-2]  
विनोद राय, संयुक्त सचिव

[Ministry of Defence No. AS/3762.PC-2]  
VINOD RAI, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1993

का.नि.आ. 57:—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा सेवा में आयुध उपस्कर कारखानों तथा रक्षा सेवाओं के सहयोजित स्थापनों के सिविलियनों को उनके लिये विनिर्दिष्टतया सन्निर्माण आवासीय क्वार्टरों के आबंटन का विनियमन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारम्भ—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा आवासों का आबंटन (रक्षा सेवा में सिविलियनों के लिये आयुध कारखाना वाम सुविधा) नियम, 1993 है।

(2) ये नियम आयुध और उपस्कर कारखानों तथा सहयोजित स्थापनों में नियोजित उन सभी सिविलियनों को, जिन्हें रक्षा सेवाओं के प्राक्कलनों में मे वेतन संदत्त किया जाता है, आयुध सम्पदा और आयुध उपस्कर कारखानों में नियोजित सिविलियनों के लिये विनिर्दिष्टतया सन्निर्मित आवासों के आबंटन के मामले में लागू हों।

(3) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को लागू होंगे।

2. परिभाषाएँ:—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) “आबंटन” से इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किसी आवास का कब्जा लेने के लिये किसी अनुज्ञप्ति का मंजूर किया जाना अभिप्रेत है;

(ख) “आबंटन” वर्ष से एक अप्रैल से आरम्भ होने वाला प्रत्येक वर्ष या ऐसी अन्य अवधि अभिप्रेत है जो आबंटन प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित की जाए;

(ग) “आबंटन प्राधिकारी” से महाप्रबंधक या महाप्रबंधक का अस्थायी भारसाधक अधिकारी या उप महाप्रबंधक (प्रशामन) अभिप्रेत है, यदि उन्हें आयुध और आयुध उपस्कर कारखाना महाप्रबंधक द्वारा आबंटन प्राधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये विनिर्दिष्टतया प्राधिकृत किया जाता है;

(घ) “पात्र कार्यालय” से आयुध और आयुध उपस्कर कारखाने में सहयोजित स्थापन और सैनिक इंजीनियरी सेवा अभिप्रेत है जहां आयुध/आयुध उपस्कर कारखाना के लिये अन्त्य रूप से आशयित है;

(ङ) “परिलब्धियों” से मूल नियमों के नियम 45ग में यथापरिभाषित मूल वेतन और विशेष वेतन अभिप्रेत है;

स्पष्टीकरण—ऐसे आफिसर की दशा में जो निलम्बनाधीन है उसके द्वारा आबंटन वर्ष के पहले दिन लिया गया मूल वेतन जिसमें उसे निलम्बित किया गया है या यदि उसे आबंटन वर्ष के पहले दिन निलम्बित किया गया है उससे ठीक पूर्व उसके द्वारा लिया गया मूल वेतन, मूल वेतन समझा जायेगा;

(च) “कुटुम्ब” से पत्नी या पति और बालक, सौतेले बालक वैध रूप से दत्तक बालक, माता-पिता, भाई अथवा बहन अभिप्रेत है जो साधारण रूप से आफिसर के साथ रहते हैं और उस पर आश्रित है;

(छ) “सरकार” से केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है जब तक कि अन्यथा अपेक्षित न हो;

(ज) “अनुज्ञप्ति फीस” से इन नियमों के अधीन किसी आबंटित आवास की बाबत मूल नियमों के उपबन्ध के अनुसार मासिक रूप से संदेय धनराशि अभिप्रेत है;

टिप्पण:—सरकारी वास सुविधा के लिये अनुज्ञप्ति फीस के प्रभारण से संबंधित चौथे वेतन आयोग की सिफारिशों के स्वीकार किये जाने पर केन्द्रीय सरकार ने तीन वर्ष पश्चात्, वरों के पुनरीक्षण के अधीन रहते हुए पूरे देश में भारत के कतिपय मंत्रालयों/विभागों के अधीन साधारण पूल में उपलब्ध आवासीय वास सुविधा के लिये अनुज्ञप्ति फीस की समान दर विहित कर दी है। अनुज्ञप्ति फीस का प्रभारण आयुध/आयुध उपस्कर कारखानों की सम्पदा में सरकारी वास सुविधा के अधिभोगियों को समान दर पर समान रूप से लागू होगा। सरकार द्वारा नियत वास सुविधा की विभिन्न टाइपों के लिये अनुज्ञप्ति फीस की समान दरें परिशिष्ट-I में दी गई हैं। वाम सुविधा के आवासीय क्षेत्र की संगणना करने का सूत्र परिशिष्ट-II में दिया गया है। आवासों के अनुरक्षण प्रभार, सेवा कर, अग्नि कर और सफाई कर जैसी सम्मिलित सेवाओं के लिये संदेय कोई अतिरिक्त प्रभार वसूल नहीं किया जायेगा।

(झ) “पूर्विकता तारीख” से किसी अधिकारी की पूर्विकता तारीख की बाबत निवास वास की उस टाइप के लिये जिसके लिये वह पात्र है, वह पूर्वतम तारीख अभिप्रेत है जिससे वह उस वेतनमान में लगातार मूल वेतन ले रहा है किसी विशिष्ट टाइप के लिए सुसंगत है।

(1) क्वार्टरों की विशिष्ट टाइप के लिये आवेदकों को पारस्परिक जगहों पर नियत करने के लिये सभी आवेदकों की पूर्विकता की तारीख पारस्परिक कालानुक्रम में व्यवस्थित की जायेगी।

- (2) पारस्परिक पूर्विक्ता तारीखें किसी विशिष्ट वेतन की रेंज में न्यूनतम वेतन लेने की वास्तविक तारीख के प्रति निर्देश से नियत की जायेगी;
- (3) वेतन रेंज में मूल वेतन जिसमें मूल नियम 45ग में यथापरिभाषित विशेष वेतन सम्मिलित है समाविष्ट होना और जिसमें कोई अन्य फायदे सम्मिलित नहीं है।
- (4) परन्तु यह कि जहां दो या अधिक अधिकारियों की पूर्विक्ता तारीख एक ही है वहां उनके बीच की ज्येष्ठता मूल वेतन की राशि से अवधारित की जायेगी, उच्चतर मूल वेतन पाने वाले आफिसर को कम मूल वेतन पाने वाले आफिसर से अग्रता दी जायेगी और जहां मूल वेतन बराबर हो वहां उनके द्वारा की गई सेवा अवधि द्वारा अवधारित की जायेगी तथा जहां उनके द्वारा सेवा में आने की तारीख एक ही हो वहां उनकी आयु या जन्म की तारीख द्वारा अवधारित की जायेगी;
- (5) क्वार्टरों की टाइप "क" और टाइप "ख" की दशा में जहां एक से अधिक आवेदकों की एक ही पात्रता तारीख है तब निम्नलिखित क्रम में आबंटन के लिये पूर्विक्ता दी जायेगी :
  - (क) नियमित नियुक्ति में कुल सेवा अवधि के आधार पर; और
  - (ख) यदि एक से अधिक आवेदक एक जैसी स्थिति में हों जैसा कि मद्र(क) में यथा उल्लिखित सेवा की कुल अवधि है, वहां उस आवेदक को अग्रता दी जायेगी जो आयु में बड़ा है।
  - (ग) "निवास" से उस आबंटन प्राधिकारी के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन तत्काल कोई निवास अभिप्रेत है जिसको वे नियम लागू होंगे हैं।
  - (घ) "एक ही टाइप" से एक ही टाइप के क्वार्टर अभिप्रेत है जिसका फर्ण क्षेत्र अनुज्ञप्ति फीस और सुविधाएं एक जैसी ही हैं।
  - (ङ) "केन्द्र" से किसी आयुध या आयुध उपस्कर कारखाने के अधीन सम्पदा अभिप्रेत है ;
  - (च) "सिकमी देना" में किसी आबंटिनी द्वारा अन्य व्यक्ति के साथ और अन्य व्यक्ति द्वारा किराये का मंदाय करने पर अथवा संदाय किये बिना वास सुविधा का सहभोग करना सम्मिलित है;
  - (छ) परन्तु यह कि नातेदारों या भिन्नों द्वारा तीस दिन की अवधि तक के लिये वास सुविधा का अधिभोग करना सिकमी देना नहीं समझा जायेगा।

स्पष्टीकरण :—किसी आबंटिनी द्वारा अपने निकट नातेदार या केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी के साथ वास सुविधा का सहभोग सिकमी देना नहीं समझा जायेगा यदि अधिकारी, आबंटन प्राधिकारी को इस आशय की पूर्ण सूचना देता है।

(ण) "अस्थायी स्थानान्तरण" से ऐसा स्थानान्तरण अभिप्रेत है जिसमें तीन मास में अनधिक की अवधि अन्तर्बलित है ;

(न) स्थानान्तरण से एक केन्द्र से दूसरे केन्द्र को स्थानान्तरण अभिप्रेत है।

(थ) "टाइप" से किसी आफिसर के संबंध में निवास स्थान का वह टाइप अभिप्रेत है, जिसका वह पात्र है।

### 3. निवासों की संरचनाओं में परिवर्धन/परिवर्तन—

आबंटितियों के अनुरोध पर निवासों में संरचनात्मक प्रकृति का कोई परिवर्धन या परिवर्तन नहीं किया जायेगा। ऐसे परिवर्धन या परिवर्तन यदि आवश्यक समझे जाएं तो एक मानक रीति में इस प्रकार के सभी निवासों में किये जा सकेंगे और उसके लिये आबंटितियों से ऐसे परिवर्धन या परिवर्तन के लिये कोई अतिरिक्त अनुज्ञप्ति फीस या प्रभार वसूल नहीं किए जा सकेंगे।

### 4. निवासों के लिये जल, विद्युत् और अन्य प्रभार—

नियमों और भाड़ा विनियमों तथा सेना इंजीनियरी सेवा के नियमों के अनुसार क्वार्टरों के आबंटितियों द्वारा जल और विद्युत् प्रभार संदेय होंगे। इसी प्रकार फर्नीचर, विद्युत् साधित, वातानुकूलक साधितों आदि के लिए भी आबंटितियों से यदि विद्यमान नियमों के अनुसार उन्हें ये दिये जाते हैं, वसूल किए जा सकेंगे।

### 5. आवास क्षेत्रों का अवधारण करने के लिये मापमान—

परिशिष्ट-2 में उपबध्दित क्वार्टरों के आवास क्षेत्र साधारण पत्र क्वार्टर के प्रपुंज के आवास क्षेत्र के आधार पर निर्धारित किए गए हैं। चूंकि ये क्वार्टर बहुत पहले सन्निहित हुए थे तथापि ऐसे मामले हो सकते हैं जहां क्वार्टरों का आवास क्षेत्र सुसंगत टाइप के लिये विहित निम्नतम क्षेत्र से कम हो या अधिकतम विनिर्दिष्ट क्षेत्र से कुछ कम हो ऐसी दशा में अनुज्ञप्ति फीस वास सुविधा के टाइप के वर्गीकरण के आधार पर और निम्नतम आवास क्षेत्र पर आधारित उच्चतर दर पर अथवा क्वार्टर के उच्चतर आवास क्षेत्र के आधार पर वसूल की जायेगी और ऐसी दशा में अनुज्ञप्ति फीस निम्नतम आधार पर नियत की जायेगी तथा ऐसी विनियमितियों को संबंधित केन्द्रीय बोर्ड द्वारा मूलज्ञाया जायेगा और महाप्रबंधक द्वारा उसका अनुमोदन किया जायेगा।

6. अवर्गीकृत और घटिया आवास सुविधाओं के लिये अनुज्ञप्ति फीस—

परिशिष्ट—1 में विहित अनुज्ञप्ति फीस केवल वर्गीकृत और मानक आवास सुविधाओं पर लागू होगी। अवर्गीकृत और घटिया आवास सुविधाओं की अनुज्ञप्ति फीस की वसूली विचाराधीन है और अगले आदेश होने तक ऐसी आवास सुविधाओं की अनुज्ञप्ति फीस विद्यमान दर पर वसूल की जाती रहेंगी।

7. कर्तव्य स्थल पर गृह स्वामी अधिकारियों और आवास सुविधाओं को रखने के लिये अनुज्ञेय अन्य अधिकारियों या अनुकूलपी आवास सुविधाओं के आर्बंटनियों की बाबत क्वार्टरों के लिये अनुज्ञप्ति फीस—

उन कार्य स्थलों पर गृह स्वामी अधिकारियों और उन अधिकारियों से जिन्हें आवास सुविधा रखने के लिये अनुज्ञेय किया गया है अनुकूलपी आवास सुविधा आर्बंटन की गई है, अनुज्ञप्ति फीस की वसूली से संबंधित विषय—

क्रम सं. अधिकारियों का प्रवर्ग	वसूल की जाने वाली अनुज्ञप्ति फीस की दर	
1	2	3
1. गृह स्वामी अधिकारी	(1) यदि स्वयं के गृह से होने वाली आय 3000 रु. से अधिक नहीं है	अनुज्ञप्ति की एकल समान दर
	(2) यदि स्वयं के गृह से होने वाली आय 3000 रु. प्रतिमास से अधिक किन्तु 5000 रु. प्रति मास से अधिक नहीं होती है	अनुज्ञप्ति फीस की समान दर का दो गुना
	(3) यदि आय 5000 रु. प्रतिमास से अधिक हो जाती है	अनुज्ञप्ति फीस की समान दर का तीन गुना
2. अधिकारी का जिन्हें आवास सुविधा रखने के लिये अनुज्ञात किया गया है या असम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम और अंडमान और निकोबार संघ राज्य क्षेत्र तथा लक्षद्वीप राज्यों में तैनाती के परिणामस्वरूप अनुकूलपी आवास सुविधा आर्बटिड की गई है।	अनुपूरक नियम 317 ख-II(2) II(2) पैरा 15(2) के अधीन आवास सुविधा धारण करने की अनुज्ञेय अवधि के परे किसी अवधि के लिये अनुज्ञप्ति फीस की समान दर का डेढ़ गुना, रुपये का निकटतम भाग पूर्णांकित होगा।	

8. सम्मिलित अनिवार्य सेवाओं से संबंधित कर्मचारियों के लिये क्वार्टरों के आर्बंटन की पूर्वावकाश—

आर्बंटन अधिकारी सम्मिलित अनिवार्य सेवाओं का प्रवर्ग बनायेगा जैसे अग्नि-शमन, सुरक्षा, चिकित्सा, यांत्रिक और विद्युत् अनुरक्षण, विद्युत् केन्द्र और उपरि तार बिछाने वाले कर्मचारी उपलब्ध कराने के लिये कार्मिक, जल प्रदाय तथा टेलीफोन अनुरक्षण से संबंधित टेलीफोन आपरेटर, शिक्षक और कोई अन्य कार्मिक प्रवर्ग जो समय-समय पर आयुध कारखाना बोर्ड के प्राधिकारी द्वारा या उसके अधीन जारी किये गये कार्यपालक अनुदेशों द्वारा परिभाषित किये जायें।

आर्बंटन प्राधिकारी (संपदा स्थापन नियंत्रक अधिकारी) पहले सम्मिलित अनिवार्य प्रवर्ग के कर्मचारियों को क्वार्टरों का आर्बंटन करेगा। (सभी स्थापन सम्मिलित) जैसा कि इसके पूर्व परिभाषित किया गया है और फिर साधारण प्रवर्ग के कर्मचारियों को क्वार्टर आर्बंटन करेगा तथा उसके पश्चात् प्रत्येक वर्ष की पहली अप्रैल से प्रत्येक स्थापन के अधिभोगियों को अनुपाततः शेष क्वार्टरों का आर्बंटन विभाजित करेगा।

9. अनिवार्य सेवा प्रवर्ग के कर्मचारियों के लिये क्वार्टरों का आर्बंटन क्वार्टरों के आर्बंटन की प्रक्रिया तथा बिना बारी के क्वार्टरों के आर्बंटन की महाप्रबंधक की शक्ति—

स्थापन के प्रत्येक अधिभोगी को आर्बंटन/विभाजित क्वार्टरों में से स्थापन का अध्यक्ष पहले अपने प्रवर्ग की आवश्यकता के अनुसार यदि कोई हो, उसमें से एक भाग को व्यक्तिगत कोटा के रूप में आर्बंटन करेगा और शेष क्वार्टरों को अन्य कार्मिकों को साधारण ज्येष्ठता के अनुसार आर्बंटन करेगा। जहाँ तक कारखाना स्थापन का संबंध है, महाप्रबंधक सम्मिलित अनिवार्य सेवा कार्मिकों में से प्रशासनिक आधार पर बिना बारी के महाप्रबंधक के वैयक्तिक सहायक और गैरकर्मियों को आर्बंटन कर सकेगा। उनके पास उपलब्ध शेष क्वार्टरों की पूर्वावकाश सूची के अनुसार अन्य कर्मचारियों को आर्बंटन किया जायेगा। प्रत्येक स्थापन को उपलब्ध क्वार्टरों की कुल संख्या को सर्वसाधारण की जानकारी के लिये कारखाना आदेश/कार्यालय आदेश में प्रकाशित किया जाना चाहिये। क्वार्टरों की संख्या में किसी परिवर्तन को इसी रीति से अधिसूचित किया जायेगा।

संपदा नियंत्रक, कारखाना का महाप्रबंधक किसी स्थापन के क्वार्टरों के आर्बंटन के लिये अर्थात् मूल कारखाना, लेखा निरीक्षणालय आदि को एक मात्र आर्बंटन करने का प्राधिकारी है।

10. पति और पत्नी को क्वार्टरों का आर्बंटन, उस दशा में अधिकारियों की पत्नी जो एक दूसरे से विवाहित है—

(1) किसी ऐसे अधिकारी को इन नियमों के अधीन आवास आर्बंटन नहीं किया जायेगा, यदि, यथा-

स्थिति, उसके पति और पत्नी को आवास पहले से ही आवंटित है, जब तक कि वह ऐसे आवास को अभ्यर्पित नहीं कर देता है :

परन्तु यह कियह उप नियम वहां लागू नहीं होगा जहां पति या पत्नी,

(क) विभिन्न केन्द्रों में तैनात है;

(ख) किसी न्यायालय द्वारा न्यायिक पृथक्करण के आदेश के अनुसरण में पृथक् रूप में रह रहे हैं।

(2) जहां ऐसे दो अधिकारी उभी संपदा में इन नियमों के अधीन आवंटित पृथक् आवासों के अभ्यर्पणी हैं एक दूसरे से विवाह कर लेते हैं, वहां विवाह के एक मास के भीतर एक आवास को अभ्यर्पित कर देंगे।

(3) यदि ऐसा आवास उपनियम (2) की अनुमति के अधीन अभ्यर्पित नहीं किया जाता है तो निचले टाइप के आवास के आवंटन की उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान पर रद्द किया गया समझा जायेगा और यदि आवास एक ही प्रकार के हैं तो उनमें से एक आवास का आवंटन जैसा आवंटन अधिकारी विनिश्चय करे, अवधि के अवसान पर रद्द किया गया समझा जायेगा।

(4) जहां पति और पत्नी दोनों केन्द्रीय सरकार के अधीन नियोजित हैं वहां इन नियमों के अधीन उनमें से प्रत्येक के आवंटन के हक पर स्वतंत्र रूप से विचार किया जायेगा।

#### 11. आवासों का वर्गीकरण—

इन नियमों द्वारा अन्यथा उपबंधित के सिवाय कोई अधिकारी नीचे मारणी में दक्षित टाइप के आवास के आवंटन के लिये पात्र होगा :

आवास का टाइप अधिकारी का प्रवर्ग या उसका उस दर्जे के पहले दिन का मासिक मूल वेतन जिसमें उसे आवास आवंटित किया जाता है।

ए/टाइप-1	950 रुपए प्रति मास से कम
बी/टाइप-2	1500 रुपए प्रति मास से कम किन्तु 950 रुपए प्रतिमास से अन्यून।
सी/टाइप-3	2800 रुपए प्रति मास से कम किन्तु 1500 रुपए प्रतिमास से अन्यून।
डी/टाइप-4	3600 रुपए प्रतिमास से कम किन्तु 2800 रुपए प्रतिमास से अन्यून।
ई/टाइप-5	5900 रुपए से कम किन्तु 3600 रुपए प्रतिमास से अन्यून।
टाइप-6	5900 रुपए प्रतिमास से अधिक।

(उपरोक्त वर्गीकरण चौथे वेतन आयोग की सिफारिश पर आधारित है।)

आवंटन अधिकारी किसी पात्र कर्मिक से निचले टाइप के आवंटन के आवेदन की प्राप्ति पर उसे उस टाइप से निचले टाइप के आवास का आवंटित कर सकेगा जिसके लिए आवेदक पात्र है ; परन्तु यह तब जब कि वह उस क्वार्टर के टाइप के लिए उस वेतनमान की रेंज की ज्येष्ठता को पूरी करता है जिसके लिए वह पात्र है। ऐसे कर्मिक को उस क्वार्टर से उसके खाली होने के यथाशक्य शीघ्र स्थानांतरित कर दिया जाएगा जिसके लिए वह पात्र है और ज्येष्ठता के अनुसार उसकी बारी आती है। उच्चतर टाइप के क्वार्टर के लिए जहां वे पात्र आवेदकों के न मिलने के कारण खाली रहते हैं प्रतीक्षा-सूची के उन अधिकारियों को आवंटित किए जा सकते हैं जो उनकी पूर्वावस्था की तारीख के क्रम में उनकी पात्रता के टाइप के एक टाइप नीचे के लिए पात्र है।

टिप्पण : ऐसे अधिकारी जो इस नियम के अधीन आवंटन के लिए विचार किए जाने के लिए वांछा करते हैं अपने आवेदन को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेंगे जिसके न हो सकने पर उन पर आवास के आवंटन के लिए उसी टाइप पर विचार किया जाएगा जिसके लिए वे पात्र हैं।

#### 12. आवंटन के लिए आवेदन

(1) ऐसे केन्द्र पर तैनात सभी अधिकारी जहां आयुध और सहयोजित स्थानों के कर्मचारियों के लिए विनिर्दिष्ट रूप से वाम सुविधा के आवंटन के लिए पात्र है आवंटन के लिए आवेदन करेंगे :

परन्तु यह कि आवंटन अधिकारी ऐसे अधिकारियों या उनके प्रवर्गों को साधारण आदेश द्वारा ऐसी वाम सुविधा के आवेदन से छूट दे सकेंगे जिन्हें किसी आवंटन वर्ष के दौरान वाम सुविधा के आवंटन होने की संभावना नहीं है।

(2) पहली बार नियुक्ति पर कार्यभार संभालने वाला कोई अधिकारी अपना कार्यभार संभालने के एक साल के भीतर आवंटन अधिकारी को आवेदन कर सकेगा।

(3) किसी क्लंडर मास के बीसवें दिन या उससे पूर्व उपनियम (2) के अधीन प्राप्त आवेदनों पर अगले मास में आवंटन के लिए विचार किया जाएगा।

(4) ज्येष्ठता सूची टाइप "ए" और टाइप "बी" वाम सुविधा के लिए पात्र कर्मिक सदस्यों में से पात्र सदस्यों से प्राप्त आवेदनों के आधार पर ज्येष्ठता-सूची तैयार की जाएगी। यह सूची प्रतिवर्ष पहली जनवरी और पहली जुलाई को तैयार की जाएगी।

(5) टाइप "सी" और ऊपर के क्वार्टरों की दशा में इन क्वार्टरों का आवंटन कारखाना आदेश/संपदा आदेशों में विज्ञापित करने के पश्चात ही किया जाएगा।

#### 13. आवासों का आवंटन और प्रस्ताव :

(1) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय खाली होने वाले किसी आवास को आवंटन अधिकारी

द्वारा उस आवेदन को आबंटित किया जाएगा जो उस टाइप में वास सुविधा में परिवर्तन कराने की वांछ करता है परन्तु यह तब तक कि वह ज्येष्ठता-सूची के अनुसार पात्र हो... और यदि उस प्रयोजन के लिए... अपेक्षित नहीं है तो उस आवेदक को आबंटित किया जाएगा जिसके पास उस टाइप में वास सुविधा नहीं है और निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए आवास के उस टाइप के लिए पूर्वतर पूर्विकता तारीख में वह सम्मिलित है, अर्थात् :-

- (i) आबंटन अधिकारी उस टाइप के उच्चतर टाइप के आवास को आबंटित नहीं करेगा जिसके लिए आवेदक पात्र है ;
- (ii) आबंटन अधिकारी किसी आवेदक को उस टाइप में निचले टाइप के आवास को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं करेगा जिसके लिए वह पात्र है ।

(2) आबंटन अधिकारी किसी अधिकारी के विद्यमान आबंटन को रद्द कर सकेगा और उसे उसी टाइप के अनुकूली आवास को आबंटित कर सकेगा या आपात परिस्थितियों में या अधिकारी के अधिभोगाधीन आवास से निचले टाइप के आवास को आबंटित कर सकेगा यदि अधिकारी के अधिभोगाधीन आवास खाली किया जाना अपेक्षित है ।

14. आबंटन प्रस्ताव को अस्वीकार करना अथवा आबंटित आवास का स्वीकार करने के पश्चात् कब्जा लेने में असफलता :

(1) यदि कोई अधिकारी किसी आवास के आबंटन को पांच दिन के भीतर स्वीकार करने में असफल रहता है या स्वीकार करने के पश्चात् उस आबंटन पत्र के प्राप्त करने की तारीख से आठ दिन के भीतर आवास का कब्जा लेने में असफल रहता है तो वह आबंटन पत्र की तारीख से छह मास की अवधि के भीतर अन्य आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा ।

(2) यदि किसी अधिकारी को जिसके अधिभोग में निचले टाइप का आवास है उस टाइप का आवास आबंटित या प्रस्तावित किया जाता है जिसके लिए वह नियम 11 के अधीन पात्र है अथवा उसके लिए उसने नियम 12 के उप नियम (1) के अधीन आवेदन किया है, उक्त आबंटन अथवा आबंटन के प्रस्ताव को इन्कार करने पर, निम्नलिखित शब्दों के अधीन रहते हुए पहले से आबंटित आवास में रहने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, अर्थात् :-

- (क) यह कि ऐसा अधिकारी उच्चतर वर्ग की वास सुविधा के लिए आबंटन पत्र की तारीख से छह मास की अवधि के लिए अन्य आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा ;
- (ख) विद्यमान आवास को रखने के दौरान उस पर वही अनुज्ञाति फीस जो उस पर उस आवास की

बाबत प्रभारित की जाती जो उसे आबंटित किया गया है या आबंटन का प्रस्ताव किया गया है अथवा पहले से उसके अधिभोगाधीन आवास की बाबत संवेद्य अनुज्ञाति फीस इनमें से जो भी अधिक हो, प्रभारित की जाएगी ।

15. आबंटन के बने रहने की अवधि और आगे प्रति-धारण के लिए रियायती अवधि :

(1) कोई आबंटन उस तारीख से प्रभारी होगा जिसको इसे अधिकारी द्वारा स्वीकार किया जाता है और तब तक प्रभारित रहेगा जब तक,—

- (क) उस केन्द्र के किसी पात्र कार्यालय में किसी अधिकारी के कर्तव्य का न रहने के पश्चात् उप-नियम (2) के अधीन अनुज्ञेय रियायती अवधि समाप्त होती है ;
- (ख) इसे आबंटन अधिकारी द्वारा रद्द कर दिया जाता है या इन नियमों के किसी उपबंध के अधीन रद्द कर दिया गया समझा जाता है ;
- (ग) अधिकारी द्वारा इसे अभ्यर्पित कर दिया जाता है ;
- (घ) आवास अधिकारी के अधिभोग में नहीं रहता है ।

(2) किसी अधिकारी को आबंटित कोई आवास उप-नियम (3) के अधीन रहते हुए नौबे सारणी के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट किसी घटना के होने पर स्तंभ (2) में की तत्समान प्रविष्ट विनिर्दिष्ट अवधि के लिए रखी जा सकेगी, परन्तु यह तब जब कि आवास अधिकारी या उसके कुटुंब के सदस्यों के सद्भावपूर्ण उपयोग के लिए अपेक्षित है ।

#### सारणी

घटनाएं	निवास स्थान अपने पास रखने की अनुज्ञेय अवधि
1	2
(1) पदत्याग पदवृत्ति या सेवा से हटाया जाना, सेवा का पर्यवसान अथवा बिना अनुज्ञा के अप्राधिकृत अनु-पस्थिति ।	1 मास
(2) सेवा-निवृत्ति या सेवान्त छुट्टी/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति/चिकित्सा बोर्ड द्वारा निकाला गया	4 मास-4 मास दोहरे बाजार भाड़े पर
(3) आबंटिती की मृत्यु	6 मास
(4) किसी दूसरे स्टेशन को स्थानान्तरण	2 मास
(5) उसी स्टेशन में किसी अपात्र कार्यालय को स्थानान्तरण	2 मास

1	2
(6) भारत में विदेश सेवा पर जाना	3 मास
(7) भारत में अस्थायी स्थानांतरण अथवा भारत में बाहर किसी स्थान के लिए स्थानांतरण	4 मास
(8) छुट्टी जो निवृत्ति-पूर्व छुट्टी सेवांत छुट्टी, चिकित्सीय छुट्टी या अध्ययनार्थ छुट्टी से भिन्न हो	छुट्टी की अवधि पर्यंत किन्तु चार मास से अधिक।
(9) निवृत्ति-पूर्व छुट्टी या केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 के नियम 38 के अधीन दी गई अस्वीकृत छुट्टी	औसत वेतन पर छुट्टी की पूर्ण अवधि पर्यंत किन्तु चार मास की अधिकतम सीमा के अधीन रहते हुए इसमें सेवा-निवृत्ति की दशा में अनुज्ञेय अवधि भी सम्मिलित है।
(10) भारत से बाहर अध्ययनार्थ छुट्टी या प्रतिनियुक्ति	छुट्टी की अवधि पर्यंत अतिरिक्त
(11) भारत में अध्ययनार्थ छुट्टी	छुट्टी की अवधि पर्यंत किन्तु 6 मास से अतिरिक्त
(12) चिकित्सीय आधार पर छुट्टी	छुट्टी की पूर्ण अवधि पर्यंत
(13) अनुदेशन/प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पर जाने पर	प्रशिक्षण की पूर्ण अवधि पर्यंत
(14) बच्चों के शैक्षिक वर्ष के मध्य में स्थानांतरण	दो मास की अनुज्ञेय अवधि के पश्चात् छह मास तक या उनके बच्चों के विद्यालय या महाविद्यालय के शैक्षिक वर्ष के अंत तक इनमें से जो भी पहले हो। भाड़े का दायित्व निम्न प्रकार से होगा :- पहले दो मास—सामान्य भाड़ा/मानक भाड़ा अगले छह मास—सामान्य/मानक भाड़े का दो गुना तत्पश्चात्—बाजार भाड़ा
(15) किसी शैक्षिक वर्ष के अंत में पूर्व सेवा-निवृत्ति या कुटुम्ब में गंभीर रुग्णता	निर्धारित भाड़े का दो गुना के संदाय पर या सेवा निवृत्ति से पूर्व

1	2
	उद्गृहीत किए जा रहे वेतन की विहित सुसंगत प्रतिशतता के संदाय पर दो मास की अनुज्ञेय अवधि के पश्चात् छः मास तक या उनके बच्चों के विद्यालय या महाविद्यालय के शैक्षिक वर्ष के अंत तक इनमें से जो भी पहले हो।

स्पष्टीकरण 1 : जब भारत में स्थानांतरण होने या अन्यत्र सेवा में जाने पर किसी अधिकारी की कोई छुट्टी मंजूर की जाती है और वह नए कार्यालय में पदभार ग्रहण करने से पूर्व उस छुट्टी का उपयोग करता है तो उसे सब (4), (5), (6) और (7) के मामले वर्णित अवधि के लिए छुट्टी की अवधि के लिए, अधिक से अधिक दो मास की अवधि तक निवास स्थान रखे रहने की अनुज्ञा दी जा सकती है।

स्पष्टीकरण 2 : जब भारत में स्थानांतरण या अन्यत्र सेवा संबंधी कोई आदेश किसी अधिकारी को तब जारी किया जाता है जब वह पहले से ही छुट्टी पर है तो स्पष्टीकरण 1 के अधीन अनुज्ञेय अवधि ऐसा आदेश जारी करने की तारीख से गिनी जाएगी।

(3) (क) जब कोई निवास-स्थान उपनियम (2) के अधीन रखा रहा तो अनुज्ञेय रियायती अवधि की समाप्ति पर वह आर्बटन, सिवाय उस दशा के जब उन अवधियों की समाप्ति के तुरन्त पश्चात् वह अधिकारी उमी स्टेशन में किसी पात्र कार्यालय में कर्तव्य भार ग्रहण कर लेता है, रद्द किया गया समझा जाएगा।

(ख) जहां कोई अधिकारी बिना वेतन और भत्ते के चिकित्सा छुट्टी पर रहता है वहां वह उपनियम (2) के नीचे सारणी की मद (12) के अधीन रियायत के कारण अपना निवास स्थान रख सकता है परन्तु यह तब जब कि वह ऐसे निवास स्थान के लिए अनुज्ञप्ति फीस प्रतिमास तक में भेजता है और जहां वह ऐसी अनुज्ञप्ति फीस भेजने में दो मास से अधिक के लिए असफल रहता है वहां आर्बटन रद्द समझा जाएगा।

(4) ऐसा अधिकारी उपनियम (1) के नीचे सारणी की मद (1) या मद (2) के अधीन रियायत के कारण अपना निवास स्थान अपने पास रखता है, उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर पात्र कार्यालय में पुनर्नियुक्ति में

वह निवास स्थान अपने पास रखने के लिए हकदार होगा और वह निवास स्थान के आगे आबंटन के लिए इन नियमों के अधीन पात्र होगा :-

परन्तु यह कि यदि ऐसी पुनर्नियुक्ति पर अधिकारी का मूल वेतन उसके अधिभोगाधीन निवास स्थान की टाइप के लिए हकदार नहीं बनाता है तो उसे निवास स्थान की निचली टाइप आबंटन की जाएगी।

(5) उप नियम (2) में किसी बात के होने हुए भी जब कोई अधिकारी पदच्युत किया जाता है या सेवा से हटाया जाता है या जब उसकी सेवाएं पर्यवसित जाती हैं तथा उस स्थापन/एकक के, जिसमें ऐसे अधिकारी ऐसी पदच्युति, हटाए जाने या पर्यवसान के ठीक पूर्व नियोजित था, प्रधान का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक और समुचित है तो वह आबंटन अधिकारी से यह अनुरोध कर सकता है कि वह ऐसे अधिकारी को किए गए निवास स्थान का आबंटन या तो तुरंत कर दे या उसके द्वारा यथाविनिर्दिष्ट उपनियम (2) के नीचे मद (1) में निर्दिष्ट एक मास की अवधि की समाप्ति के पूर्व ऐसी तारीख से कर दे और आबंटन अधिकारी तदनुसार कार्य वाही करेगा।

(6) जहां कोई क्वार्टर अनुज्ञेय अवधि के पश्चात रखा जाता है, वहां टाइप I क्वार्टरों के लिए पूल बाजार अनुज्ञप्ति फीस का तीन गुना, टाइप 2, टाइप 3, क्वार्टरों के लिए 4.6 गुना और टाइप 5 और उससे ऊपर के क्वार्टरों के लिये 5 गुना की दर से शास्ति/बाजार भाड़ा प्रभारित किया जाएगा इसके अतिरिक्त टाइप 1 क्वार्टरों के लिए एकल विभागीय प्रभार वसूल किया जाएगा।

(7) शास्ति भाड़ा और नुकसानी की संगणना के ब्यौरे सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए प्रपत्र के अनुसार शामिल होंगे।

(8) (क) आयुध कारखाने के महाप्रबंधक, आयुध कारखानों और सहयोजित स्थापनों के कर्मचारियों की बाबत इन नियमों के अधीन संपूर्ण शक्तियों का प्रयोग करेंगे।

(ख) शक्तियों का प्रयोग जहां आवश्यक हो स्थानीय लेखाधिकारी के परामर्श से किया जाएगा।

#### 16. अनुज्ञप्ति फीस संबंधी उपबंध

(1) जहां वास सुविधा या अनुकूली वास सुविधा का आबंटन स्वीकार कर लिया जाता है वहां अनुज्ञप्ति फीस का दायित्व अधिभोग की तारीख से अथवा आबंटन की प्राप्ति की तारीख से 8वें दिन से, जो भी पूर्वतर हो प्रारंभ होगा।

(2) ऐसा अधिकारी जो आबंटन स्वीकार करने के पश्चात् उस आवास सुविधा का आबंटन पत्र की प्राप्ति की तारीख से आठ दिन के भीतर कदवा लेने में असफल रहता है वहां उससे ऐसी तारीख से एक मास की अवधि तक की या उस विशिष्ट आवास सुविधा के पुनः आबंटन की तारीख तक, जो भी पूर्वतर हो, अनुज्ञप्ति फीस प्रभारित जाएगी

परन्तु इसकी कोई बात वहां लागू नहीं होगी जहां अनुरक्षण अनुभाग यह प्रमाणित करता है कि वास सुविधा अधिभोगी के लिए अभी तैयार नहीं है और उसके परिणाम स्वरूप अधिकारी उपरोक्त अवधि के भीतर उस वास सुविधा का अधिभोग प्राप्त नहीं करता है।

(3) जहां किसी अधिवारी को जिसके अधिभोग में कोई निवास स्थान है कोई दूसरा निवास स्थान आबंटित किया जाता है और वह नए निवास स्थान का अधिभोग प्राप्त कर लेता है, वहां पूर्वतर निवास स्थान का आबंटन नए निवास स्थान के अधिभोग प्राप्त करने की तारीख को रद्द समझा जाएगा। तथापि वह पूर्वतर निवास स्थान को स्थानांतरण के लिए उस दिन और पश्चानवर्ती दिन के लिए अनुज्ञप्ति फीस का संदाय किए बिना अपने पास रख सकता है।

17. निवास स्थान के खाली किए जाने तक अधिकारी का अनुज्ञप्ति फीस संदाय करने का वैयक्तिक दायित्व और अस्थायी अधिकारियों द्वारा प्रतिभूति देना :

(1) ऐसा अधिकारी जिसे कोई निवास स्थान आबंटित किया जाता है कि अनुज्ञप्ति फीस के लिए और उस नुकसान के लिए वैयक्तिक रूप से दायी होगा जो उचित टूट-फूट के अतिरिक्त उस निवास स्थान को या सरकार द्वारा उसमें दिए गए फर्नीचर, फिक्सचर, फिटिंगों और सेवा व्यवस्था को उस अवधि के दौरान पहुंचता है जब निवास स्थान उसे आबंटित रहता है और उसे आबंटित रहता है अथवा जहां आबंटन इन नियमों के उपबंध के अधीन रद्द किया जाता है वहां जब तक निवास स्थान तथा उससे संलग्न उपगृह यदि कोई हो, खाली करके उसका पूर्ण खाली कब्जा सरकार को प्रत्यावर्तित नहीं कर दिया जाता है।

(2) जहां ऐसा अधिकारी जिसे कोई निवास स्थान आबंटित किया गया है न तो स्थायी सरकारी सेवक है और न ही स्थायीवत सरकारी सेवक है वहां वह एक प्रतिभूति सहित केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त विहित प्ररूप में प्रतिभूति बंधपत्र निष्पादित करेगा जो केन्द्रीय सरकार के अधीन सेवारत स्थायी सरकारी सेवक होगा और ऐसे निवास स्थान और सेवाओं की बाबत तथा किसी अन्य निवास स्थान की बाबत जो उसे उसके स्थान पर दिया जाए अनुज्ञप्ति फीस और अन्य प्रभारों के लिए दायी होगा।

(3) यदि प्रतिभूति सरकारी सेवक नहीं रहता है या दिवालिया हो जाता है अथवा किसी अन्य कारण से उपलब्ध नहीं रहता है तो अधिकारी ऐसी घटना या तथ्य की जानकारी प्राप्त करने की तारीख से तीन दिन के भीतर अन्य प्रतिभूति द्वारा निष्पादित नया बंधपत्र देगा और यदि वह ऐसा करने में असफल रहता है तो उसे आबंटित निवास स्थान का आबंटन रद्द समझा जाएगा जब तक आबंटन प्राधिकारी द्वारा अन्यथा विनिश्चय नहीं किया जाता है।

#### 18. आबंटन का अग्रप्राप्य और सूचना की अवधि :

(1) कोई अधिकारी निवास स्थान के खाली करने की तारीख से पूर्व कम से कम दस दिन की आबंटन प्राधि-



कारी को सूचना देने पर किसी आबंटन को किसी भी समय अभ्यर्पित कर सकता है। निवास स्थान का आबंटन, आबंटन प्राधिकारी द्वारा प्राप्त पत्र के दिन के पश्चात् 11वें दिन से या पत्र में विनिर्दिष्ट तारीख को, जो भी पूर्वतर हो, रद्द समझा जाएगा। यदि वह सम्यक् सूचना देने में असफल रहता है तो 10 दिन के लिए या उतने दिन के लिए जो दस दिन की सूचना देने की अवधि से कम रहते हैं अनु-ज्ञप्ति फीस के संदाय के लिए जिम्मेदार होगा। परंतु यह कि आबंटन प्राधिकारी कम अवधि की सूचना स्वीकार कर सकेगा।

(2) ऐसा अधिकारी जो उपनियम (1) के अधीन निवास स्थान का अभ्यर्पण करता है ऐसे अभ्यर्पण की तारीख से छह मास की अवधि के भीतर उसी स्टेशन पर सरकारी वास सुविधा के आबंटन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

#### 19. निवास स्थान का परिवर्तन

(1) ऐसा अधिकारी जिसे इन नियमों के अधीन कोई निवास स्थान आवंटित किया जाता है वास सुविधा के प्रारंभिक अधिभोग की तारीख से छह मास की अवधि के भीतर उसी टाइप के अन्य निवास स्थान में या ऐसे निवास स्थान में जिसके लिए वह नियम 11 के अधीन पात्र है, इनमें से जो भी छोटा हो, परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकेगा। अधिकारी को आवंटित निवास स्थान के एक टाइप की अवधि एक बार से अधिक परिवर्तन के लिए अनुज्ञप्त नहीं किया जाएगा।

(2) आबंटन अधिकारी द्वारा विहित प्ररूप में परिवर्तन के लिए और एक कलेंडर मास की 19 तारीख तक प्राप्त सभी आवेदनों को आगामी मास की प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित किया जाएगा। इस नियम के प्रयोजनों के लिए वे अधिकारी जिनके नाम पश्चात्तवर्ती मासों की सूची में सम्मिलित किए जाते हैं। किसी विशिष्ट मास की सूची में सम्मिलित अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उनकी पूर्विकता की तारीख के क्रम में अवधारित की जाएगी।

(3) निवास स्थानों का परिवर्तन उपनियम (2) के अनुसार अवधारिता ज्येष्ठता के क्रम में और यथा साध्य अधिकारियों के पूर्व अधिमानता को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा।

(4) यदि कोई अधिकारी ऐसे प्रस्ताव के जारी करने के पांच दिन के भीतर प्रस्तावित निवास स्थान के परिवर्तन को स्वीकार करने में असफल रहता है तो उसके आवेदन पर उस टाइप के निवास स्थान के परिवर्तन के लिए छह मास की अवधि के भीतर पुनः विचार नहीं किया जाएगा।

(5) ऐसे अधिकारी जो निवास स्थान के परिवर्तन को स्वीकार करने के पश्चात् उसका कब्जा लेने में असफल रहता है, ऐसे निवास स्थान के लिए बाजार दर में अनु-ज्ञप्ति फीस अवधारित की जाएगी जैसा कि उसके अधिभोगाधीन पहले के निवास स्थान के लिए किसी अप्राधिकृत अधि-

भोगी से सामान्य अनुज्ञप्ति फीस के अनुरिक्त फीस प्रभावी होती है।

#### 20. निवास स्थान में पारस्परिक परिवर्तन

ऐसे अधिकारी जिन्हें इन नियमों के अधीन एक ही टाइप के निवास स्थान आवंटित किए जाते हैं, उनके निवास स्थानों को पारस्परिक रूप से परिवर्तन करने की अनुज्ञा के लिए आवेदन कर सकेंगे। यदि दोनों अधिकारियों से युक्तियुक्त रूप से उसी स्टेशन में कर्तव्य पर रहने के लिए और ऐसे परिवर्तन के अनुमोदन की तारीख से कम से कम छह मास तक उनके पारस्परिक रूप से परिवर्तन निवास स्थानों में रहने के लिए आशयित है तो इस प्रकार पारस्परिक परिवर्तन की अनुज्ञा को मंजूर किया जा सकेगा।

#### 21. गैर-कुटुंब को स्थानांतरण

ऐसे किसी अधिकारी को ऐसे स्टेशन को स्थानांतरित कर दिया जाता है जहां उन्हें सरकार द्वारा अपने कुटुंब को ले जाने के लिए अनुज्ञा नहीं किया जाता है या सलाह नहीं दी जाती है और इन नियमों के अधीन उन्हें आवंटित निवास स्थान पर किसी बालक सद्भावपूर्ण शैक्षिक आवश्यकताओं के लिए अपेक्षा है तो उन्हें उसके अनुरोध पर उसके बालक के लिए शैक्षिक सत्र की समाप्ति तक मूल नियम 45क के अधीन अनुज्ञप्ति फीस के संदाय पर निवास स्थान को रखने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा।

#### 22. निवास स्थान का अनुरक्षण

अधिकारी जिसे कोई निवास स्थान आवंटित किया गया है निवास स्थान और परिसर को संबंधित कारखाना अनुरक्षण अनुभाग में समानाधिकारपूर्ण रूप में स्वच्छ दशा में बनाए रखेगा ऐसे अधिकारी कोई पेड़, झाड़ी या पौधे नहीं उगाएगा जो उक्त प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए निदेशों के विपरीत हों और न ही विद्यमान पेड़, झाड़ियों को काटेगा या छोट करेगा। इसके सिवाय कि वह उपरोक्त प्राधिकारी को पूर्व अनुज्ञा प्राप्त करे। इन नियमों के उल्लंघन में उगाए गए पेड़ पौधे और वनस्पति संबंधित अधिकार की जोखिम और लागत पर आबंटन अधिकारी द्वारा हरवाए जाएंगे।

#### 23. निवास स्थानों को शिकमी देना और सहभोग

सरकार के अजीन या अन्यथा सेंवारत किसी व्यक्ति को न तो भुक्त भाड़े पर शिकमी देने के लिए किसी कर्मचारी को किन्हीं भी परिस्थितियों में अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। यदि कोई आवंटित अपने परिसर को किसी अन्य व्यक्ति को भागतः और पूर्णतः शिकमी देता है तो वह उसके वेतन की प्रतिशतता के अनुसार विहित वेतन के बराबर या निर्धारित भाड़े या बाजार भाड़े के लिए जो भी उच्चतर हो शास्ति भाड़े के लिए दायी होगा। उसके विरुद्ध सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 के अधीन विभागीय प्रशासनिक कार्यवाही और/या बेदखली की कार्रवाई भी की जाएगी।

#### 24. नियमों और शर्तों के उल्लंघन के परिणाम

यदि कोई अधिकारी जिसे कोई निवास स्थान आवंटित किया गया है, निवास स्थान अप्राधिकृत रूप से शिवकमी देता है या हिस्सा बढ़ाने वाले व्यक्ति से भाड़ा लेता है तो आवंटन प्राधिकारी उस दर पर जो वह अधिक उचित समझे या निवास स्थान के किसी भाग में कोई अप्राधिकृत रूप से सन्निर्माण खड़ा करता है या उसके किसी भाग को उन प्रयोजनों से भिन्न जिनके लिए वह है या बिजली या जल संबंधनों में छेड़छाड़ करता है अथवा आवंटन के निबंधनों और शर्तों का उल्लंघन करता है अथवा निवास स्थान या परिसर का उस प्रयोजन के लिए उपयोग करता है जिसे आवंटन प्राधिकारी अनुचित समझता है अथवा स्वयं इस प्रकार का आचरण करता है तो पड़ोस में बंधुता को निभाने के लिए विपरीत रूप से प्रभावित करता है या आवंटन प्राप्त करने के विचार से किसी आवेदन में या लिखित कथन में जानबूझ कर कोई गलत जानकारी देता है तो आवंटन प्राधिकारी किसी अन्य अनुशासनिक कार्यवाही पर विपरीत प्रभाव डाले बिना जो उसके विरुद्ध की जा सकती है निवास स्थान के आवंटन के रद्द कर सकेगा।

**स्पष्टीकरण :-** इस नियम में "अधिकारी" पद में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो उसके कुटुंब का कोई सदस्य या ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो अधिकारी की मार्फत दावा करता है।

#### 25. नियमों के उल्लंघन की दशा में आवंटन प्राधिकारी की वैयक्तिक शक्ति

जहां किसी निवास स्थान पर आवंटन पड़ोसियों के साथ बंधुता निभाने पर विपरीत प्रभाव डालने के आचरण से रद्द कर दिया जाता है वहां अधिकारी को आवंटन प्राधिकारी के विवेकानुसार किसी अन्य स्थान पर उसी टाइप का अन्य निवास स्थान आवंटित किया जा सकता है। आवंटन प्राधिकारी इन नियमों के अधीन सभी या कोई कार्यवाही करने के लिए और उस अधिकारी को जो उसको जारी किए गए नियमों और अनुदेशों का उल्लंघन करता है तीन वर्ष से अनधिक की अवधि के लिए वास सुविधा के आवंटन के लिए अपात्र घोषित करने के लिए सक्षम है।

#### 26. आवंटन के रद्दकरण के पश्चात् निवास स्थान में बने रहना

जहां किसी आवंटन के रद्दकरण के पश्चात् या इन नियमों के किसी उपबंध के अधीन रद्द समझा गया कोई निवास स्थान उस अधिकारी के अधिभोग में रहता है या रहा है जिसे यह आवंटित किया गया था किसी ऐसे व्यक्ति के अधिभोग में रहता है या रहा है जो अधिकारी की मार्फत दावा करता है, निवास स्थान के उपयोग और अधिभोग उसमें उपलब्ध सेवाओं, फर्नीचर और बागवानी प्रभागों को की गई क्षति का दायी होगा जो सरकार द्वारा समय-समय

पर अवधारित बाजार अनुज्ञप्ति फीस के बराबर होगा। इसके अतिरिक्त आवंटिती, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) के अधीन बेदखली के लिए दायी होगा।

परन्तु यह कि विशेष दशाओं में किसी अधिकारी को मूल नियम 45 के अधीन दूसरी मानक अनुज्ञप्ति फीस संद्वार पर किसी निवास स्थान को नियम 15 के अधीन अनुज्ञेय माधारण अवधि के पश्चात् छह मास से अनधिक अवधि के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा।

#### 27. इन नियमों के जारी करने से पूर्व किए गए आवंटनों का बना रहना

निवास स्थान का कोई विधिमाम्य आवंटन जो इन नियमों के प्रारंभ के ठीक पूर्व तत्समय प्रवृत्त नियमों के अधीन विद्यमान है, इस बात के होते हुए भी कि कोई अधिकारी नियम 11 के अधीन उस टाइप के किसी निवास स्थान के लिए पात्र नहीं है, नियमों के अधीन सम्यक् रूप से किया गया आवंटन समझा जाएगा और इन नियमों के सभी पूर्वगामी उपबंध उस आवंटन के संबंध में लागू होंगे तथा तदनुसार उस अधिकारी को लागू होंगे।

#### 28. कतिपय दशाओं में कुछ नातेदारों को आवंटन

(1) जब कोई सरकारी सेवक जिसे सरकारी वास सुविधा आवंटित की गई है सेवा निवृत्त होता है या बौद्ध द्वारा सेवा से निकाल दिया जाता है या सेवा के दौरान मर जाता है तब उसके पुत्र, पुत्री, पत्नी, पति या किसी अन्य नातेदार को जो पहले से ही स्थापन में सेवारत है या जिसे अनुकंपा के आधार पर उस स्थापन में नियोजन दिया जाता है, तदर्थ आधार पर सरकारी वास सुविधा आवंटित की जा सकती है। परन्तु यह तब जब उक्त नातेदार सेवानिवृत्त हुए या बौद्ध द्वारा निकाले गए या मृतक अधिकारी के साथ सेवा निवृत्ति या बौद्ध द्वारा निकाले जाने अथवा मृत्यु के पूर्व कम से कम छह माह की अवधि के लिए वास सुविधा का हिस्सा बटाता रहा हो। निकटतम नातेदार की दशा में क्वार्टर तब आवंटित किया जा सकेगा जब महाप्रबंधक का दावे की वास्तविकता से समाधान हो जाता है।

(2) उस निवास स्थान को नातेदार के नाम पर नियमित किया जा सकेगा यदि वह उस टाइप या किसी उच्चतर टाइप के निवास-स्थान के लिए पात्र है। अन्य दशाओं में उक्त नातेदार को उसकी पात्रता की टाइप के निवास स्थान को आवंटित किया जा सकेगा यदि उस समय उस टाइप के निवास स्थान उपलब्ध हों अथवा उसके न होने पर निचले टाइप का निवास स्थान आवंटित किया जा सकेगा। यदि आवंटिती को स्वीकार्य हो।

#### 29. नियमों का निर्वचन

यदि इन नियमों के निर्वचन के संबंध में कोई प्रश्न उत्पन्न होता है तो उसका विनिश्चय अध्यक्ष, आयुध कार-खाना बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

30. नियमों में छूट :	(1)	(2)	(3)	(4)
अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड, किसी अधिकारी या वर्ग के अधिकारियों की दशा में इन नियमों के किसी या सभी उपबंधों को लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से छूट दे सकेगा।	ए	30 तक	15	दो क्वार्टरों के लिए उपलब्ध कराई गई शौचालय सुविधाओं में हिस्सा बढ़ाने वाले क्वार्टर।
31. कृत्यों की शक्तियों का प्रयायोजन :	ए	30 तक	25	300 स्क्वायर फीट से अन्यून के कुर्मी क्षेत्रफल वाले पुराने क्वार्टर।
अध्यक्ष, आयुध कारखाना बोर्ड, इन नियमों के अधीन उसको प्रदत्त किसी या सभी शक्तियों को ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जिसे वह अधिरोपित करना उपयुक्त समझे, अपने नियंत्रणाधीन किसी अधिकारी को प्रत्यायोजित कर सकेगा।	ए	30 तक	35	300 स्क्वायर फीट और उससे अधिक के कुर्मी क्षेत्र वाले क्वार्टर।
(परिशिष्ट 1 और 2)	बी	26.5	35	टाइप ए के रूप में पुनः वर्गीकृत 300 वर्ग फीट के कुर्मी क्षेत्रफल वाले गिराए जाने वाले कार्यक्रम के अधीन टाइप बी क्वार्टर।
[डी (कोअर्ड) रक्षा मंत्रालय/ रक्षा मंत्रालय आई डी सं. 4(3)/1/91/डी (फैक्टरी 2)]	बी	32 से 40	60	
ललित चौहान, डैस्क अधिकारी	बी	41 से 50	75	
परिशिष्ट-1	सी	34.0	60	टाइप बी के रूप में पुनः वर्गीकृत 425 वर्ग फीट के कुर्मी क्षेत्रफल वाले गिराए जाने वाले कार्यक्रमों के अधीन टाइप सी क्वार्टर।
वास सुविधा की विभिन्न टाइपों के लिए एक समान अनुज्ञप्ति फीस नियत करने के लिए सूत्र उपदर्शित करने हुए विवरण	सी	44 से 55	85	
वास सुविधा आवास क्षेत्र पूरे देश में टिप्पण	सी	56 से 65	105	
की टाइप की रेंज (वर्ग सामान रूप में	डी	59 से 75	115	
मीटर में) लागू होने	डी	76 से 91.5	145	
वाली समान	ई	106 तक	185	
अनुज्ञप्ति फीस	ई	106 से अधिक	210	
की समान दर	ई. 1	159.5 तक	260	
(रूपों में)	ई. 1	159.5 से	300	
(1)	(2)	(3)	(4)	
ए	30 तक	10	दो क्वार्टरों से अधिक के लिए उपलब्ध कराई गई शौचालय सुविधाओं में हिस्सा बढ़ाने वाले क्वार्टर।	
				ई. 1 189.5 से 224.5
				ई. 1 243 से 350
				ई. 1 350.5 से 500
				522

## हॉस्टल वास सुविधा

सूट का प्रवर्ग	आवास क्षेत्र (वर्ग मीटर में)	पूरे देश में सामान रूप में लागू होने वाली अनुज्ञप्ति फीस को प्रस्तावित समान दर (रु० में)
1. एकल कक्ष	21.5 से 30.0	65.00
2. एकल कक्ष	30.5 से 39.5	90.00
3. दोहरे कक्ष	47.5 से 60.0	125.00

नियमित वास सुविधा हॉस्टल के सेवक क्वार्टरों और गैरिजों के स्वतंत्र आबंटन के लिए निम्नलिखित समान दरें बसूल की जा सकेंगी।

- (i) सेवक क्वार्टर 10 रुपए प्रतिमास  
(ii) गैरिज 5 रुपए प्रतिमास

## आवास क्षेत्रफल का व्यवधान करने के लिए युक्तियाँ

## मुख्य भवन

- (क) कक्ष, रसोई, स्नानगृह, शौचालय,  
भंडार कक्ष और संलग्न बरामदा।

- (ख) बरामदा, गलियार और बरसाती

- (ग) इयीली

- (घ) पक्का आंगन

## उप भवन

- (क) कक्ष

- (ख) बरामदा

तल क्षेत्रफल का शत प्रतिशत

तल क्षेत्रफल का 25 प्रतिशत

तल क्षेत्रफल का 12½ प्रतिशत

तल क्षेत्रफल का 5 प्रतिशत

तल क्षेत्रफल का 25 प्रतिशत

तल क्षेत्रफल का 12½ प्रतिशत।

New Delhi, the 20th April, 1993

S.R.O. 57.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to regulate the allotment of residential quarters to the Civilians in Defence Services in respect of residential quarters specifically constructed for them, in Ordnance and Ordnance Equipment Factories and their allied establishments of Defence Services, namely :—

1. Short title, application and commencement.—

(1) These rules may be called the Allotment of Residences (Ordnance Factories Accommodation for Civilians in Defence Services) Rules, 1993.

(2) These rules shall apply to all civilians paid from Defence Services Estimates, employed in Ordnance and Ordnance Equipment Factories and their allied establishments in the matter of allotment of residences specifically constructed for civilian employees in the estates of Ordnance and Ordnance Equipment Factories.

(3) These rules shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires :—

- (a) "allotment" means the grant of a licence to occupy a residence in accordance with the provisions of these rules ;
- (b) "allotment year" means the year beginning on the 1st April of each year or such other period as may be notified by the allotting authority ;
- (c) "allotting authority" means the General Manager or the Officer-in-Temporary-Charge of General Manager or Deputy General Manager (Administration), if specifically authorised to exercise the powers of allotting authority by the General Manager in the Ordnance and Ordnance Equipment Factories ;
- (d) "eligible office" means the Ordnance and Ordnance Equipment Factories, its allied establishments and Military Engineering

Service where it is intended exclusively for Ordnance Ordnance Equipment Factories ;

- (e) "emolument" means the basic pay and special pay as defined in rule 45C of the Fundamental Rules.

EXPLANATION.—In the case of an officer who is under suspension, the basic pay drawn by him on the first day of the allotment year in which he is placed under suspension or if he is placed under suspension on the first day of the allotment year, the basic pay drawn by him immediately before that date shall be taken as basic pay ;

- (f) "family" means the wife or husband, as the case may be and children, step-children, legally adopted children, parents, brothers or sisters who ordinarily reside with and are dependent on the officers ;

- (g) "Government" means the Central Government unless the context otherwise requires ;

- (h) "licence fee" means the sum of money payable monthly in accordance with provision of the Fundamental Rules in respect of a residence allotted under these rules.

NOTE.—On acceptance of the recommendations of Fourth Pay Commission relating to the charging of licence fee for Government accommodation, Central Government has prescribed flat rates of licence fee for the residential accommodation available in General Pool and also under various Ministries/Departments of Government of India all over the country subject to revision of the rate after 3 years. The charging of licence fee at flat rate is equally applicable to the occupants of Government accommodation in the Estates of Ordnance Ordnance Equipment Factories.

The flat rate of licence fee for different types of accommodation fixed by Government shall be as in Appendix I. The formula for calculating the living area of the accommodation shall be as in Appendix II. For common services like conservancy charges, service tax, fire tax and scavenging tax pay-

able for residences, no additional charges shall be recovered.

- (i) "Priority date" of an officer in relation to a type of residence to which he is eligible means the earliest date from which he has been continuously drawing basic pay in the pay range relevant to a particular type.
- (i) In fixing relative seniority of applicants for particular type of quarters a relative chronological arrangement of dates of priority of all applicants shall be made.
- (ii) The relative priority dates shall be assessed with reference to the actual dates of drawal of pay at the minimum in particular pay range.
- (iii) The pay range shall comprise basic pay including special pay as defined in FR 45C and does not include any other allowances.
- (iv) Provided that where the priority date of two or more officers is the same, seniority among them shall be determined by the amount of basic pay, the officer in receipt of higher basic pay taking precedence over the Officer in receipt of lower basic pay and where the Basic Pay is equal, by the length of service and where the date of joining service is the same i.e. length of service is equal, by the age or date of birth.
- (v) In the case of Type—A and B quarters when more than one individual applicant carries the same date of eligibility, preference for allotment shall be given in the following order ;—
  - (a) On the basis of total length of service in regular appointment ; and
  - (b) If more than one individual is placed in identical position vis-a-vis the total length of service as mentioned at item (a) then preference will be given to the individual who is senior in age.
- (j) "Residence" means a residence for the time being under the administrative control of the allotting authority to which these rules apply.
- (k) "Same Type" means same type quarters with same floor area, Licence Fee and amenities ;
- (l) "Station" means the Estate under the jurisdiction of an Ordnance or Ordnance Equipment Factory ;
- (m) "Subletting" includes sharing of accommodation by an allottee with another person with or without payment of rent by such other person ;
- (n) Provided that sharing of accommodation by relatives or friends upto a period of 30 days shall not be deemed subletting.

**EXPLANATION.**—Any sharing of accommodation by an allottee with close relatives or Central Government Employees shall not be deemed to be subletting in case prior intimation to this effect is given by the Officer to the allotting authority.

- (o) "Temporary Transfer" means a transfer which involves an absence for a period not exceeding three months ;
- (p) "Transfer" means a transfer from one station to another station.
- (q) "Type" in relation to an officer means the type of residence to which he is eligible.

3. Additions/alterations of structures in residences.—No additions or alterations of structural character shall be carried out in residences at the request of allottees. Such additions or alterations, if considered necessary, may be carried out in all similar residences in a standardised manner and no additional licence fee or charges may be recovered from the allottees for such additions or alterations.

4. Water, electricity and other charges for residences.—Water and electricity charges shall be payable by the allottees of quarters as per rules and rent regulations and Military Engineering Service regulations in addition to licence fee.

Similarly, charges on account of issue of furniture, electrical appliances, air conditioning appliances etc., would also be recovered from the allottees, if issued as per the existing rules.

5. Criterion for determining the living area.—The living area of the quarters indicated in appendix II has been assessed on the basis of the living area of the bulk of General Pool quarters, as these quarters have been constructed over a long period of time. However, there may be cases where the living area of the quarters may be slightly less than the minimum specified for the relevant types or slightly less than the maximum specified. In such cases, licence fee shall be recovered on the basis of the classification of the types of accommodation and based on the lowest or highest rates depending on the lower living area or higher living area of the quarter and in such cases, the licence fee shall be fixed on provisional basis and such anomalies will be sorted out by the Station Board concerned for the purpose and approved by the General Manager.

6. Licence fee for unclassified and sub-standard accommodation.—The licence fee prescribed in Appendix I shall be applicable to classified and standard accommodation only. Recovery of licence fee in respect of unclassified and substandard accommodation is still under consideration and therefore, licence fee for such accommodation shall continue to be recovered as per existing rates until further orders.

7. Licence fee for quarters in respect of house owning officers at the place of duty and others allowed retention of accommodation or allotted alternative accommodation.—The matter relating to the recovery of licence fee from house owning officer at their place of duty and officers who are allowed

retention of accommodation allotted alternative accommodation shall be as follows :—

S. No.	Category of Officers	Rate of licence fee to be recovered
1	2	3
1.	House owning Officers	(i) If the income from own house does not exceed Rs. 3,000/- per month. Single flat rate of licence fee.
	(ii) If the income from own house exceeds Rs. 3000/- per month but does not exceed Rs. 5000/- per month. Two times flat rate of licence fee.	
	(iii) If the income exceeds Rs. 5000/- per month. Three times the flat rate of licence fee.	
2.	Officers who are allowed retention of accommodation or allotted alternative accommodation consequent on posting to States of Assam, Meghalaya, Manipur, Nagaland, Tripura, Arunachal Pradesh, Mizoram and Union Territories of Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep.	1½ time flat rate of licence fee, for the period beyond the permissible period of retention under Para 15(2) rounded off to the nearest rupee.

8. Priority of allotment of Quarters for employees belonging to common essential services.—The allotment authority shall form a category of common Essential Services such as Fire Fighting, Security, Medical, Mechanical and Electrical maintenance, personnel for manning power stations and overhead lines, water supply and others, telephone operators attached to Telephone Maintenance, Teachers and any other category of personnel which may be defined from time to time by executive instruction to be issued by or under the authority of the Ordnance Factory Board.

The allotting authority (Officer controlling Estate Establishment) will first take out the quarters for allotment to common essential categories of employees (common to all establishments) to be defined as indicated heretofore and then allot quarters to employees of the general category and thereafter allot/distribute pro rata residual quarters to each user establishment on 1st April of each year.

9. Allotment of quarter for essential services categories of employees; procedure for allotment of quarter and power of General Manager to make out of turn allotment of quarters.—Of these quarters allotted/distributed to each user establishment, the Head of establishment will first allocate reasonable quota for a portion of his own essential categories, if any, and allot the balance of quarters to others according to normal seniority. As far as the Factory establishment is concerned, the General Manager may make out of turn allotment on administrative ground outside the pale of common essential services personnel to Personnel Assistant to General Manager and Cashier. The balance quarters available to them will be allotted to other employees as per priority lists. The total number of quarters available to each establishment should be published in Factory Order/Office Order for general information. Any change in the number of quarters shall be notified in similar manner.

The General Manager of the Factory controlling the Estate is the sole authority for allotment of quarters to any establishment, namely, Factory proper, Inspectorate of Accounts, etc.

10. Allotment of Quarters to husband and wife, eligibility in cases of Officers who are married to each other.—(1) No officer shall be allotted a residence under these rules if the wife or the husband, as the case may be of the officer has already been allotted a residence, unless such residence he or she surrenders.

Provided that this sub-rule shall not apply where the husband and wife :

- (a) are posted in different stations ;
- (b) are residing separately in pursuance of an order of judicial separation made by any Court.

(2) Where two officers in occupation of separate residences allotted under these rules in the same Estate marry each other, they shall, within one month of the marriage, surrender one of the residences.

(3) If a residence is not surrendered as required by sub-rule (2), the allotment of the residence of the lower type shall be deemed to have been cancelled on the expiry of the period specified in sub-rule (2) and if the residences are of the same type, the allotment of such one of them, as the allotting authority may decide shall be deemed to have been cancelled on the expiry of the period.

(4) Where both the husband and the wife are employed under Central Government the title of each of them to allotment of a residence under these rules shall be considered independently.

11. Classification of residences.—Save as otherwise provided by these rules, an officer shall be eligible for allotment of residence of the type shown in the table below :

## Type of residence

Category of officer or his monthly basic pay on the first day of the allotment year in which the allotment is made.

A/Type—I	Less than Rs. 950/- p.m.
B/Type—II	Less than Rs. 1500/- p.m. but not less than 950/- p.m.
C/Type—III	Less than Rs. 2800/- p.m. but not less than Rs. 1500/- p.m.
D/Type—IV	Less than Rs. 3600/- p.m. but not less than Rs. 2800/- p.m.
E/Type—V	Less than Rs. 5900/-p.m. but not less than Rs. 3600/- p.m.
Type—VI	Rs. 5900/- p.m. and above.

(The above classification is based on the recommendations of the 4th Pay Commission).

The allotting authority on receipt of an application from the entitled personnel for allotment of a lower type of quarter might allot to him a residence next below the type for which the applicant is eligible : provided he fulfils his pay range seniority for the type of quarter to which he was entitled. Such personnel will be shifted to a quarter for which they are entitled as soon as it falls vacant in their turn according to seniority. For higher type of quarters where remaining vacant for want of eligible applicants the same may be allotted to Officers in the waiting list who are eligible one step below type of their entitlement in order of priority dates.

NOTE : Officers who desire to be considered for allotment under this rule shall submit their application for allotment in duplicate failing which they shall be considered for allotment of residence of the type to which they are entitled.

12. Application for allotment.—(1) All Officers posted at a station where accommodation has been built specifically for employees of Ordnance and Allied Establishments, are eligible for the allotment of such accommodation, shall apply for allotment :

Provided that the Allotment Authority may be a General Order exempt such officers or categories thereof as are unlikely to be allotted accommodation during an allotment year from applying for such accommodation.

(2) An Officer joining duty at the station on first appointment or on transfer may submit his application to the allotting authority within a month of his joining duty.

(3) Applications received under sub-rule (2) on or before 20th day of a calendar month shall alone be considered for allotment in the succeeding month.

(4) The seniority list will be made on the basis of applications received from the eligible members of staff of works entitled for Type A and B accommodation. This list will be prepared on first January and first July each year.

(5) In the case of quarters, Type-C and above, allotment of these quarters will be made after they are advertised in the Factory Order/Estate Orders.

13. Allotment of Residences and offers.—(1) Save as otherwise provided in these rules, a residence on falling vacant shall be allotted by the allotting authority preferably to an applicant desiring a change of accommodation in that type provided he is eligible for as per seniority list and if not required for that purpose, to an applicant without accommodation in that type having the earliest priority date for that

type of residence subject to the following conditions :—

- (I) The allotting authority shall not allot a residence of a type higher than that to what the applicant is eligible.
- (II) The allotting authority shall not compel any applicant to accept a residence of lower type than that to what he is eligible.

(2) The allotting authority may cancel the existing allotment of an officer and allot him an alternative residence of the same type or in emergent circumstances an alternative residence of the type next below the type of residence in occupation of the Officer if the residence in occupation of the Officer is required to be vacated.

14. Non-acceptance of allotment or offer or failure to occupy the allotted residence after acceptance.—

(1) If any officer fails to accept the allotment of a residence within five days or fails to take possession of that residence after acceptance within eight days from the date of receipt of the letter of the allotment, he shall not be eligible for another allotment for a period of 6 months from the date of the allotment letter.

(2) If any officer occupying a lower type of residence is allotted or offered a residence of the type for which he is eligible under rule 11 or for which he has applied under sub-rule (1) of rule 12 he may, on refusal of the said allotment or offer of allotment, be permitted to continue in the previously allotted residence on the following conditions namely :

- (a) that such an officer shall not be eligible for another allotment for a period of six months from the date of the allotment letter for the higher class accommodation;
- (b) while retaining the existing residence he shall be charged the same Licence fee which he would have to pay in respect of the residence so allotted or offered or the Licence fee payable in respect of the residence already in his occupation whichever is higher.

15. Period for which allotment subsists and the concessional period for further retention —(1) An allotment shall be effective from the date on which it is accepted by the officer and shall continue in force until :

- (a) the expiry of the concessional period permissible under sub-rule (2) after the officer ceases to be on duty in an eligible office at that station;
- (b) It is cancelled by the allotting authority or is deemed to have been cancelled under any provision in these rules ;

(c) It is surrendered by the officer; or

(d) the officer ceases to occupy the residence.

(2) A residence allotted to an officer may subject to sub-rule (3) be retained on the happening of

any of the events specified in column (1) of the table below for the period specified in the corresponding entry in column (2) thereof, provided that the residence is required for the bonafide use of the officer or members of his family.

TABLE

Events	Permissible periods for retention of residence
(i) Resignation, dismissal or removal from service, termination of service or unauthorised absence without permission.	1 month
(ii) Retirement or terminal leave/voluntary retirement/medically boarded out.	4 months + 4 months at double the market rent.
(iii) Death of the allottee	6 months
(iv) Transfer to another station.	2 months
(v) Transfer to an ineligible office at the same station.	2 months
(vi) On proceeding of foreign service in India	2 months
(vii) Temporary transfer in India or transfer to a place outside India.	4 months
(viii) Leave (other than leave preparatory to retirement, refused leave, terminal leave, medical leave or Study Leave)	For the period of leave but not exceeding 4 months.
(ix) Leave preparatory to retirement or refused leave granted under rule 38 of the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972.	For the full period of leave on full average pay subject to a maximum of 4 months inclusive of the period permissible in the case of retirement.
(x) Study leave or deputation outside India.	For the period of leave but not exceeding 6 months.
(xi) Study leave in India.	For the period of leave but not exceeding 6 months.
(xii) Leave on medical grounds	Full period of leave.
(xiii) On proceeding of course of instruction/training	Full period of Training.
(xiv) Transfer during the middle of the academic year of their children.	Upto six months beyond the permissible period of 2 months or till the end of the School or college academic year of children whichever is earlier. The rental Liability will be as follows. First 2 months—Normal rent/Standard rent Next 6 months—Double the normal/standard rent Thereafter—Market rent.
(xv) Retirement before the end of a academic year or serious illness in the family.	Upto six months beyond the permissible period of two months or till the end of school or College academic year of their children whichever is earlier on payment of double the assessed rent or prescribed relevant percentage of pay as being levied before retirement.
Explanation-I Where an officer on transfer or foreign service in India is sanctioned leave and avails of it before joining duty at the new office, he may be permitted to retain the residence for the period mentioned against items (iv) (v), (vi) and (vii) or for the period of leave whichever is more.	
Explanation-II Where an order on transfer or foreign service in India is issued to an officer while he is already on leave, the period permissible under Explanation-I shall count from the date of issue of such order.	
(3) (a) Where a residence is retained under sub-rule (2) the allotment shall be deemed to be cancelled on the expiry of the admissible concessional periods unless immediately on the expiry thereof the officer resumes duty in an eligible office at the same station.	



- (b) Where an Officer is on medical leave without pay and allowances, he may retain his residence by virtue of the concession under item (xii) of the Table below sub-rule (2), provided he remits the Licence fee for such residence in cash every month and where he fails to remit such licence fee for more than two months, the allotment shall stand cancelled.

(4) An Officer who has retained the residence by virtue of the concession under item (i) or item (ii) of the table below sub-rule (2) shall, on re-employment in eligible office within the period specified on the said table, be entitled to retain that residence and he shall also be eligible for any further allotment of residence under these rules :

Provided that if the basic pay of the officer on such re-employment do not entitle him to the type of residence occupied by him shall be allotted a lower type of residence.

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), when an officer is dismissed or removed from service or when his services have been terminated and the Head of the Establishment/Unit in which such officer was employed immediately before such dismissal or removal or termination is satisfied that it is necessary and expedient in the public interest to do so, he may request the allotting authority to cancel the allotment of the residence made to such officer either forthwith or with effect from such date prior to the expiry of the period of one month referred to in item (i) of the Table below sub-rule (2) as he may specify and the allotting authority shall act accordingly.

(6) Where a quarter is retained beyond the permissible period, penal/market rent shall be charged at the rate of 3 times of the pool market licence fee for Type-I quarters, 4.6 times for the Type-II, III and IV quarters and 5 times for Type-V quarters and above. In addition single departmental charges shall be recovered for Type-I quarters.

(7) The details of calculation of penal rent/damages will be governed as per the circular issued by the Government from time to time.

(8) (a) The General Managers of the Ordnance factories will exercise full powers under these rules in respect of employees of Ordnance Factories and Allied establishments.

(b) These powers will be exercised in consultation with the local Accounts Officer where necessary.

16. Provision relating to Licence Fee.—(1) Where an allotment of accommodation or alternative accommodation has been accepted, the liability for licence fee shall commence from the date of occupation or the eighth day from the date of receipt of the allotment letter whichever is earlier.

(2) An Officer who after acceptance, fails to take possession of that accommodation within eight days from the date of receipt of the allotment letter shall be charged licence fee from such date upto a period of one month or upto the date of re-allotment of that particular accommodation whichever is earlier provided

nothing contained herein shall apply where the maintenance Section certifies that the accommodation is not yet ready for occupation and as a result thereof the officer does not occupy the accommodation within the aforesaid period.

(5) Where an officer, who is in occupation of residence, is allotted another residence and he occupies the new residence, the allotment of the former residence shall be deemed to be cancelled from that date of occupation of the new residence.

He may, however, retain the former residence without payment of Licence Fee for that day and the subsequent day for shifting.

17. Personal liability of the officer for payment of Licence fee till the residence is vacated and furnishing surety by temporary officers.—(1) The Officer to whom a residence has been allotted shall be personally liable for the Licence fee thereof and for any damage beyond fairwear and tear caused thereto or to the furniture, fixtures or fittings or Services provided therein by Government during the period for which the residence has been and remains allotted to him or where the allotment has been cancelled under any of the provisions in these rules, until the residence along with the out-houses appertenant thereto, have been vacated and full vacant possession thereof has been restored to Government.

(2) Where the officer to whom a residence has been allotted is neither a permanent nor a quasi-permanent Government servant shall execute a surety bond in the form prescribed in this behalf by the Central Government with a surety who shall be a permanent Government servant serving under the Central Government for due payment of licence fee and other charges due from him in respect of such residence and services and any other residence provided in lieu.

(3) If the surety ceases to be in Government service or becomes insolvent or ceases to be available for any other reason, the officer shall furnish a fresh bond executed by another surety within thirty days from the date of his acquiring knowledge of such event or fact, and if he fails to do so, the allotment of the residence to him, shall unless otherwise decided by the allotting authority be deemed to have been cancelled with effect from that event.

18. Surrender of an allotment and period of notice.—(1) An officer may at any time surrender an allotment by giving intimation so as to reach the allotting authority at least ten days before the date of vacation of the residence. The allotment of the residence shall be deemed to be cancelled with effect from the eleventh day after the day on which the letter is received by the allotting authority or the date specified in the letter, whichever is later. If he fails to give due notice he shall be responsible for payment of Licence fee for ten days or the number of days by which the notice given by him falls short of ten days.

Provided that the allotting authority may accept a notice for a short period.

(2) An officer who surrenders the residence under sub-rule (1) shall not be considered again for allot-

ment of Government accommodation at the same station for a period of 6 months from the date of such surrender.

19. Change of residence.—(1) An officer to whom a residence has been allotted under these rules may apply for a change to another residence of the same type or a residence of the type to which he is eligible under rule 11 whichever is lower not earlier than a period of six months from the initial date of occupation of accommodation. Not more than one change shall be allowed in respect of one type of residence allotted to the Officer.

(2) All applications for change made in the form prescribed by the allotting authority and received upto the 19th day of a calendar month shall be included in the waiting list in the succeeding month. For purposes of this rule the officers whose names are included in the waiting list in an earlier month shall be senior to those whose names are included in the list in subsequent months. The inter-se-seniority of the officers included in the list in any particular month shall be determined in the order of their priority dates.

(3) Changes of residences shall be offered in order of seniority determined in accordance with sub-rule (2) and having regard to the Officers' preferences as far as possible.

(4) If an officer fails to accept a change of residence offered to him within five days of the issue of such offer, he shall not be considered again for a change of residence of that type within a span of 6 months.

(5) An officer who, after accepting a change of residence fails to take possession of the same shall be charged Licence fee for such residence at market rate as chargeable from unauthorised occupants in addition to the normal licence fee for the residence already in his possession.

20. Mutual Exchange of residence.—Officers to whom residence of the same type have been allotted under these rules may apply for permission to mutually exchange their residences.

Permission for mutual exchange may be granted if both the officers are reasonably expected to be on duty at the same station and to reside in their mutually exchanged residences at least six months from the date of approval of such exchanges.

21. Transfer to non-family station.—If an officer is transferred to a station where he is not permitted or advised by Government to take his family with him and the residence allotted to him under these rules is required by the family for the bonafide educational needs of the children he may be allowed on request, to retain the residence on payment of Licence fee under FR 45A till the end of current academic session of his children.

22. Maintenance of Residence.—The officer to whom a residence has been allotted shall maintain the residence and premises in a clean condition to the satisfaction of the Factory Maintenance Section concerned. Such officer shall not grow any tree, shrub or plants con-

trary to the instructions issued by the said authority, nor cut or lop off any existing tree or shrub in any guarded courtyard or compound attached to the residence save with the prior permission in writing of the authority aforesaid. Trees, plantation or vegetation, grown in contravention of this rule may be caused to be removed by the allotting authority at the risk and cost of the officer concerned.

23. Subletting and sharing of residences.—Subletting in the sense of allowing anybody serving under the Government or otherwise either free of rent or on rent shall not be permissible under any circumstances to any employee. If an allottee has sublet his premises to any other person, either partly or wholly, he shall be liable to penal rent which shall be equal to the prescribed percentage of his pay, or assessed rent or market rent whichever is higher. He may also be subjected to departmental disciplinary action and/or eviction under the Public Premises (Eviction of unauthorised occupants) Act, 1971.

24. Consequences of breach of rules and conditions.—If an officer to whom a residence has been allotted unauthorisedly sublets the residence or charges rent from the sharer at a rate which the allotting authority consider excessive or erects any unauthorised structure in any part of the residence or uses the residence or any portion thereof for any purposes, other than that for which it is meant or tampers with the electric or water connection or commits any other breach of these rules or of the terms and conditions of the allotment or uses the residence or premises for any purpose which the allotting authority consider to be improper or conducts himself in a manner which in his opinion is prejudicial to the maintenance of harmonious relations with the neighbours or has knowingly furnished incorrect information in any application or written statement with a view to securing the allotment, the allotting authority may, without prejudice to any other disciplinary action that may be taken against him cancel the allotment of the residence.

EXPLANATION.—In this rule the expression "officer" includes, unless the context otherwise requires a member of his family and any person claiming through the officer.

25. Discretionary power of allotting authority in case of breach of rules.—Where the allotment of a residence is cancelled for conduct-prejudicial to the maintenance of harmonious relations with neighbours, the Officer at the discretion of the Allotting Authority may be allotted another residence in the same class at any other place.

The allotting authority shall be competent to take all or any of the actions under these rules and also to declare the officer, who commits a breach of the rules and instructions issued to him to be ineligible for allotment of residential accommodation for a period of not exceeding three years.

26. Overstay in residence after cancellation of allotment.—Where after an allotment has been cancelled or deemed to be cancelled under any provision contained in these rules, the residence remains or has remained in occupation of the officer to whom it was allotted or any person claiming through him, the

officer shall be liable to damages for use and occupation of the residence, services, furniture and garden charges equal to the market Licence fee as may be determined by Government from time to time. In addition the allottee shall be liable to eviction under the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971).

Provided that an officer in special cases, may be allowed by the allotting authority to retain a residence on payment of twice the standard Licence for under FR 45A for a period of not exceeding 6 months beyond the normal period permitted under Rule 15.

27. Continuance of allotments made prior to the issue of these rules.—Any valid allotment of the residence which is subsisting immediately before the commencement of these rules under the rules then in force shall be deemed to be an allotment duly made under these rules notwithstanding that the officer to whom it has been made is not entitled to a residence of that type under rule 11 and all the preceding provisions of these rules shall apply in relation to that allotment and that officer accordingly.

28. Allotment to certain relations in certain cases.—  
(a) When a Government who has been allotted Government accommodation retires or is boarded out from service or dies while in service, his/her son, daughter, wife, husband or any near relation who is already serving in the establishment or who is given employment in that establishment on extreme compassionate ground be allotted Government accom-

modation on an ad hoc basis provided that the said relation has been sharing accommodation with the retiring or boarded out or deceased officer for at least six months before the date of retirement or boarding out or death. In the case of near relations quarters may be allotted provided the General Manager is satisfied with the genuineness of the claim.

(b) The same residence may be regularised in the name of the relation if he or she is eligible for a residence of that type or a higher type. In other cases the said relation may be allotted a residence of his or her entitlement type if available at the time or failing that a type next below, if acceptable to the allottee.

29. Interpretation of rules.—If any question arises as to the interpretation of these rules, it shall be decided by the Chairman, Ordnance Factory Board.

30. Relaxation of Rules.—The Chairman, Ordnance Factory Board may, for reasons to be recorded in writing, relax all or any of the provisions of these rules in the case of any officer or class of officers.

31. Delegation of powers of Functions.—The Chairman, Ordnance Factory Board may delegate any or all the powers conferred upon him by these rules to any officer under his control subject to such conditions as he may deem fit to impose.

#### (APPENDIX I AND II)

[D(Coord) Ministry of Defence|MOD I.D. No.  
4(3)|1/91|D(Fy. II)]

LALIT CHAUHAN, Desk Officer.

#### Appendix I

#### STATEMENT INDICATING THE FORMULA FOR FIXATION OF FLAT RATE OF LICENCE FEE FOR DIFFERENT TYPES OF ACCOMMODATION

Type of Accommodation	Range of living area (in sq. Mt.)	Flat rate licence fee uniformly applicable throughout the country (Rs.)	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)
A	Upto 30	10	Quarters sharing toilet facilities meant for more than two quarters.
A	Upto 30	15	Quarters sharing toilet facilities meant for two quarters.
A	Upto 30	25	Old quarters with plinth area less than 300 sq.ft.
A	Upto 30	35	Quarters with plinth area of 300 sq. ft. and more.
B	26.5	35	Crash Programme Type-B quarters with plinth area of 350 sq. ft. reclassified as Type-A
B	32 to 40	60	
B	41 to 50	75	
C	34.5	60	Crash programme Type-C quarters with plinth area of 425 sq. ft. reclassified as Type-B.

residence		
C	44 to 55	85
C	56 to 65	105
D	59 to 75	115
D	76 to 91.5	145
E	Upto 106	185
E	Beyond 106	210
E.I	Upto 159.5	260
E.I	Beyond 159.5	300
E.II	189.5 to 224.5	390
E.III	243 to 350	500
E.III	350.5 to 522	600

### HOSTEL ACCOMMODATION

Category of Suite	Living area (Sq. Mt.)	Proposed flat rate of licence fee uniformly applicable throughout the country. (Rs.)
(1)	(2)	(3)
1. Single room	21.5 to 30.0	65.00
2. Single room	30.5 to 39.5	90.00
3. Double room	47.5 to 60.0	125.00

For servant quarters and garages, allotted independent of the regular accommodation/hostel, the following flat rates may be recovered :

(i) Servant Quarter

Rs. 10/- per month

(ii) Garages

Rs. 5/- per month

### APPENDIX II

#### YARDSTICK FOR DETERMINATION OF LIVING AREA

##### Main Building

- |   |                           |
|---|---------------------------|
| (a) Rooms, Kitchen, Bath, Latrine, Store and enclosed varandah. | 100% of the floor Area    |
| (b) Varandah, Corridors and Barsati.                            | 25% of the floor area.    |
| (c) Porch   | 12-1/2% of the floor area |
| (d) Court-yard pucca  | 5% of the floor area      |

##### OUT HOUSES

- |               |                            |
|---------------|----------------------------|
| (a) Rooms     | 25% of the floor area      |
| (b) Varandahs | 12-1/2% of the floor area. |